www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 129 | जौनपुर मंगलवार, 23 दिसम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच अगले आदेश तक चटगांव में भारतीय वीजा सेंटर बंद

चटगांव, (एजेंसी)। बांग्लादेश में तनाव के बीच चटगांव में पोर्ट सिटी में भारतीय वीजा सेंटर को रविवार से अगले नोटिस तक बंद कर दिया गया है। शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में आगजनी और हिंसा देखने को मिल रही है। बीते दिन बांग्लादेश में भारतीय हाई कमीशन का घेराव करने के लिए कट्टरपंथियों का समूह निकला था। हालांकि, पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इससे पहले ढाका और दो अन्य जगहों पर भी वीजा सेंटर बंद किए गए थे। उन्होंने कहा कि वीजा सेवा फिर से शुरू करने के बारे में आगे कोई भी घोषणा करने से पहले मौजूदा सुरक्षा हालात को। शुक्रवार को इंडियन असिस्टेंट हाई कमीशन के बाहर हिंसा देखने को मिली, जिसमें दो पुलिसकर्मी समेत कम से कम चार लोग घायल हो गए। इस घटना के बाद ही चटगांव में अगले आदेश तक वीजा सेंटर बंद रखने का ऐलान किया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कट्टरपंथी समूह इंकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद से ही देशभर में ऐसी भयावह स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने कहा कि शुक्रवार तड़के चटगांव के खुल्शी इलाके में इंडियन मिशन के ऑफिस के बाहर प्रदर्शनकारी जमा हुए और उन्होंने ईंटें फेंकना शुरू कर दिया। इस दौरान कट्टरपंथी उपद्रवियों ने कुछ हिस्सों में तोड़फोड़ भी शुरू कर दी।

1 करोड़ बोतलों की तस्करी, हवाला और सीमा पार कनेक्शन का भंडाफोड़

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस की कोडीन कफ सिरप तस्करी मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट में सामने आए निष्कर्षों से पता चलता है कि सीमा पार ड्रग्स की खेपों की हेराफेरी, हवाला लेनदेन और आपराधिक नेटवर्क से जुड़े एक गिरोह का इसमें हाथ है। एसआईटी की रिपोर्ट के अनुसार, इस रैकेट के कथित सरगना विभोर राणा को 2016 में लाइसेंस दिया गया था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कफ सिरप के निर्माण और वितरण में शामिल कंपनियों को अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पिछली समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल में लाइसेंस जारी किए गए थे। एसआईटी ने बताया कि नेपाल सीमा के पास स्थित मदरसों के खिलाफ की गई कार्रवाई से तस्करी पर सीधा असर पड़ा, जिसके चलते विभोर और उसके साथियों को सीमा पार तस्करी अस्थायी रूप से रोकनी पड़ी। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अधिकारियों द्वारा गहन जांच के बाद, विभोर ने दवा कंपनी एबॉट से संपर्क कर लगभग एक करोड़ कफ सिरप की बोतलें वापस लेने का अनुरोध किया था। जांचकर्ताओं ने पाया है कि विभोर के सहयोगियों सौरभ और पप्पन से जुड़ी बड़ी खेपें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जब्त की गई हैं।

कोडीन कफ सिरफ से यूपी में नहीं हुई एक भी मौत : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी विधानसभा में आज कोडीन सिरप को लेकर समाजवादी पार्टी के विधायकों ने हंगामे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पलटवार किया है। बिना किसी का नाम लिए योगी ने कहा कि देश के अंदर दो नमूने हैं। एक दिल्ली में बैठता है और दूसरा लखनऊ में। देश में कोई भी चर्चा होते ही वे तुरंत देश छोड़कर भाग जाते हैं, और मुझे लगता है कि आपके श्बाबुआश के साथ भी यही हो रहा है। वे भी इंग्लैंड की यात्रा के लिए फिर से देश छोड़ देंगे, और आप लोग यहाँ शोर मचाते रहेंगे। साफ तौर पर योगी का इशारा समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर था। इसके बाद योगी ने साफ तौर पर कहा कि उत्तर प्रदेश में कोडीन कफ सिरप से कोई मौत नहीं हुई है। दूसरा, इस मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने अदालत में यह मुकदमा जीत लिया है। तीसरा, उत्तर प्रदेश में

सबसे बड़े थोक विक्रेता, जिसे एसटीएफ ने सबसे पहले गिरफ्तार किया था, को समाजवादी पार्टी ने 2016 में लाइसेंस जारी किया था। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस मामले में कोई भी आरोपी बच नहीं पाएगा। और चिंता मत कीजिए, समय आने पर बुलडोजर कार्रवाई की भी तैयारी कर ली जाएगी। तब शिकायत मत करना। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब तक 79 मामले दर्ज किए हैं। इन मामलों में 225 आरोपियों के नाम हैं। अब तक 78 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 134 फर्मों पर छापेमारी की गई है। मुझे लगता है कि अगर आप इस मामले की गहराई से जांच करेंगे, तो पाएंगे कि अंततः समाजवादी पार्टी से जुड़ा कोई नेता या व्यक्ति इसमें शामिल है... उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि इस पूरे मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार ने यह लड़ाई लड़ी और जीती। इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने कोडीन कफ सिरप के अवैध कारोबार को लेकर राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा था कि मामले की जांच जारी है और अब तक जितने भी लोग पकड़े गए हैं, उनके तार सपा से जुड़े हुए हैं। विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले विधान भवन में प्रवेश के दौरान पत्रकारों से बातचीत में एक सवाल के जवाब में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी जांच जारी है ।

अमित शाह ने महाराष्ट्र के निकाय चुनावों में महायुति के प्रदर्शन को सुशासन की राजनीति की जीत बताया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को महाराष्ट्र की जनता द्वारा दिए गए भारी समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि चुनाव परिणाम सुशासन और विकास की राजनीति की जीत का प्रतीक है। भाजपा के एक बयान के अनुसार, शाह ने कहा कि चुनावों में महायुति की जीत केंद्र और राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकारों द्वारा समाज के हर वर्ग के कल्याण के दृष्टिकोण पर जनता के आशीर्वाद का भी प्रतिबिंब है। भाजपा ने शाह के हवाले से कहा, केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नगर पंचायत और नगर परिषद चुनावों में महायुति को मिले जबरदस्त समर्थन के लिए महाराष्ट्र की

जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति को विजयी बनाने के लिए महाराष्ट्र की जनता को धन्यवाद दिया और कहा कि चुनाव परिणाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार में लोगों के विश्वास को दर्शाता है। महायुति की चुनावी सफलता को ऐतिहासिक बताते हुए नवीन ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व अजित पवार तथा भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रमुख रवींद्र चव्हाण को बधाई दी। नवीन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, धन्यवाद, महाराष्ट्र।

सीएम का ऑनलाइन जन शिकायत निवारण कार्यक्रम 'स्वागत', नागरिकों की आपत्तियां सीधे सुनेंगे

गुजरात, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में हर महीने आयोजित होने वाला राज्य स्तरीय स्वागत ऑनलाइन जन शिकायत निवारण कार्यक्रम, दिसंबर 2025 के लिए बुधवार, 24 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित यह स्वागत ऑनलाइन जन शिकायत निवारण कार्यक्रम 2003 से चलाया जा रहा है, जिसके तहत हर महीने के चौथे गुरुवार को राज्य स्तरीय स्वागत का आयोजन किया जाता है। चूंकि दिसंबर का चौथा गुरुवार 25 दिसंबर को पड़ रहा है, जो क्रिसमस के कारण सार्वजनिक अवकाश है, इसलिए इस बार दिसंबर 2025 के लिए राज्य स्तरीय स्वागत कार्यक्रम बुधवार, 24 दिसंबर को आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

नागरिक इस स्वागत कार्यक्रम के लिए अपनी आपत्तियां मुख्यमंत्री के जनसंपर्क इकाई, स्वर्णिम संकुल–2, गांधीनगर में बुधवार, 24 दिसंबर को सुबह 8:00 बजे से 11:00 बजे के बीच व्यक्तिगत रूप से जमा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री स्वयं बुधवार दोपहर को राज्य स्तरीय स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे और नागरिकों की आपत्तियां सीधे सुनेंगे। इससे पहले, सरकार के एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने छात्र स्टार्टअप और नवाचार नीति (एसएसआईपी 2.0) जैसी पहलों के माध्यम से गुजरात के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत किया है, जिससे उद्यमिता में सुशासन का एक मजबूत मानक स्थापित हुआ है। इसके परिणामस्वरूप, गुजरात उद्यमिता के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है और लगातार चौथी बार स्टार्टअप रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। भारत सरकार के स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के तहत, राज्य को देश के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में मान्यता दी गई है।

महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश के चुनावों के नतीजेरु जनता ने विकास और सुशासन को वोट दिया : राजनाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महाराष्ट्र नगर पंचायत व नगर परिषद चुनाव में महायुति की प्रचंड जीत पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि नतीजों से यह साफ हो गया कि जनता सुशासन और विकास की राजनीति के साथ मजबूती से खड़ी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश के लोकल बॉडी चुनावों के नतीजों से पता चलता है कि भारत की जनता सुशासन और विकास की राजनीति के साथ मजबूती से खड़ी है, जो भाजपा की पहचान है। उन्हें पीएम नरेंद्र मोदी की लीडरशिप पर पूरा भरोसा है। मैं महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश के लोगों को उनके समर्थन के लिए और पार्टी

कार्यकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद देता हूं।इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र विकास के साथ मजबूती से खड़ा है। नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में भाजपा और महायुति को आशीर्वाद देने के लिए महाराष्ट्र की जनता का आभारी हूं। यह जन–केंद्रित विकास के हमारे दृष्टिकोण में विश्वास को दर्शाता है। हम राज्यभर के प्रत्येक नागरिक की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नई ऊर्जा के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं भाजपा और महायुति कार्यकर्ताओं की जमीनी स्तर पर की गई कड़ी मेहनत की सराहना करता हूं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र में नगर पंचायत और नगर परिषद के चुनाव में महायुति की ऐतिहासिक विजय के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, एनडीए के सदस्यों व प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि महायुति की यह प्रचंड जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जनता का अटूट समर्थन दर्शाती है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शांति विधेयक को दी मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के शीतकालीन सत्र में पारित सतत परमाणु ऊर्जा दोहन एवं विकास (शांति) विधेयक को भी मंजूरी दे दी है, जिसके बाद यह कानून बन गया है। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने शनिवार को शांति विधेयक को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही असैन्य परमाणु क्षेत्र से संबंधित सभी कानून अब शांति कानून में समाहित हो गए हैं और इस क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी का दरवाजा भी खुल गया है। बता दें कि केंद्र सरकार की ओर से सिविल न्यूक्लियर कानून में बदलाव के लिए लाया गया विधेयक गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा में पारित हो गया था। शांति 2025 विधेयक का पूरा नाम सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड

एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया है। यह बिल भारत में नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक नया कानून बनाता है और निजी कंपनियों को इसमें भाग लेने का अवसर देता है। इस बिल के लागू होने से 1962 का एटॉमिक एनर्जी एक्ट और 2010 का सिविल लाइबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट रद्द हो गया, जो पहले नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र की विकास में बाधा बने हुए थे। ऐसे में अब शांति विधेयक के अनुसार, अब निजी कंपनियां और संयुक्त उद्यम सरकार से लाइसेंस लेकर न्यूक्लियर पावर प्लांट्स का निर्माण, संचालन और डी–कमीशनिंग कर सकती हैं। हालांकि, यूरेनियम और थोरियम की खनन, उन्नयन, आइसोटोपिक पृथक्करण, खर्च हुए ईंधन का पुनःप्रसंस्करण, उच्च स्तर का रेडियोधर्मी कचरा प्रबंधन और भारी जल उत्पादन केवल केंद्र सरकार या सरकारी संस्थाओं के अधिकार में रहेगा। इस बिल से भारत में नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश और तकनीकी विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। शांति, 2025 विधेयक में परमाणु ऊर्जा के उत्पादन, इस्तेमाल और नियमन के लिए एक नया वैध ढांचा तैयार करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा रेडिएशन के मानकों को लेकर भी इस विधेयक में कई नियम शामिल किए गए हैं। विधेयक में कहा गया है कि परमाणु ऊर्जा भारत की स्वच्छ ऊर्जा जरूरतों के लिए काफी अहम है। खासकर जैसे–जैसे ऊर्जा की मांग वाली तकनीक जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डाटा सेंटर्स और उत्पादन की मांग बढ़ती जा रही है।

मनरेगा के नाम पर देश को गुमराह करने की कोशिश : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को विपक्षी नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वे सरकार की प्रमुख ग्रामीण रोजगार योजना को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा, मनरेगा के नाम पर गलत जानकारी फैलाकर देश को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, सच तो यह है कि विकसित भारत ग्राम योजना मनरेगा से एक कदम आगे है। अब मजदूरों को सिर्फ 100 दिन की कानूनी गारंटी मिलेगी। बेरोजगारी गया है और अगर मजदूरी में देरी जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार कुल आवंटन बढ़ाया है और विकसित हासिल करने के लिए आत्मनिर्भर है। चौहान ने कहा कि यह बिल

नहीं, बल्कि 125 दिन के रोजगार भत्ते के प्रावधानों को मजबूत किया होती है, तो अतिरिक्त मुआवजा दिया ने ग्रामीण रोजगार योजना के लिए गांव के जरिए विकसित भारत गांव विकसित करने का लक्ष्य रखा गरीबों और विकास के पक्ष में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हाल ही में पास हुए विकसित भारत–रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) बिल, 2025 का जोरदार समर्थन किया, जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह लेगा। अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने चौहान द्वारा लिखे गए एक आर्टिकल को शेयर किया और उसका समर्थन किया, जो एक प्रमुख अखबार में छपा था। आर्टिकल का शीर्षक था श्नया रोजगार कानून सामाजिक सुरक्षा से पीछे हटना नहीं है।

हम सब मिलकर अरावली बचाएं और भाजपा को जनता–जनमत की ताकत से हराएं : अखिलेश

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि आइए हम सब मिलकर अरावली बचाएं और भाजपा की राजनीति को जनता और जनमत की ताकत से हराएं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि बची रहे जो श्अरावलीय तो दिल्ली रहे हरीभरी। अरावली को बचाना कोई विकल्प नहीं है बल्कि ये तो संकल्प होना चाहिए। मत भूलिए कि अरावली बचेगी तो ही एनसीआर बचेगा। उन्होंने कहा कि अरावली को बचाना अपरिहार्य है क्योंकि यह दिल्ली और एनसीआर के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच है या कहें कुदरती ढाल है। अरावली ही दिल्ली के ओझल हो चुके तारों को फिर से दिखा सकती है, पर्यावरण को बचा सकती है। सपा प्रमुख ने कहा कि अरावली पर्वतमाला ही दिल्ली के वायु प्रदूषण को कम करती है और बारिश–पानी में अहम भूमिका निभाती

है। अरावली से ही एनसीआर की जैव विविधता बची हुई है। जो वेटलैंड गायब होते चले जा रहे हैं, उन्हें यही बचा सकती है। गुम हो रहे परिंदों को वापस बुला सकती है। अरावली से ही एनसीआर का तापमान नियंत्रित होता है। इसके अलावा, अरावली से एक भावात्मक लगाव भी है जो दिल्ली की सांस्कृतिक–ऐतिहासिक धरोहर का हिस्सा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि अरावली को बचाना दिल्ली के भविष्य को बचाना है, नहीं तो एक–एक सांस लेने के लिए संघर्ष कर रहे दिल्लीवासी स्मॉग जैसे जानलेवा हालात से कभी बाहर नहीं आ पाएंगे। आज एनसीआर के बुजुर्ग, बीमार और बच्चों पर प्रदूषण का सबसे खराब और खतरनाक असर पड़ रहा है। यहां के विश्व प्रसिद्ध हॉस्पिटल और मेडिकल सर्विस सेक्टर तक बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जो लोग बीमारी ठीक करने दिल्ली आते थे, वो अब और बीमार होने नहीं आ रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी ने हमेशा असम और नॉर्थ–ईस्ट के विकास का विरोध किया : पीएम मोदी

गुवाहाटी, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम के नामरूप में फर्टिलाइजर यूनिट का उद्घाटन करने के बाद कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा। जनसभा को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा असम और नॉर्थ–ईस्ट के विकास का विरोध किया है। उन्होंने कहा, जब भाजपा सरकार ने संगीतकार भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया, तो कांग्रेस ने असम के इस महान व्यक्ति का अपमान किया। कांग्रेस पार्टी ने असम के नगांव जिले में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने के हमारे फैसले का भी विरोध किया। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस को असम के लोगों से कोई प्यार और सम्मान नहीं है, बल्कि वे घुसपैठियों के

प्रति पक्षपाती हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने उन घुसपैठियों का समर्थन किया जिन्होंने असम की आबादी को बर्बाद कर दिया क्योंकि वे घुसपैठिए विपक्षी पार्टी के वोट बैंक हैं। इसके विपरीत, भाजपा ने हमेशा असम के लोगों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए काम किया है। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा सरकार राज्य के मूल निवासियों की रक्षा के लिए अथक प्रयास कर रही है। इससे पहले, पीएम मोदी ने गुवाहाटी में शहीद स्मारक क्षेत्र में ऐतिहासिक असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी, जो राज्य के लोगों के लिए एक बहुत ही भावुक क्षण था। प्रधानमंत्री ने फूल चढ़ाए और 1979 में शुरू हुए छह साल लंबे विदेशी विरोधी आंदोलन के पहले शहीद खर्गेश्वर तालुकदार की प्रतिमा पर माला पहनाई और असम की पहचान, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा के लिए किए गए बलिदानों को याद किया। शहीद स्मारक क्षेत्र उन 860 लोगों को समर्पित है जिन्होंने असम आंदोलन के दौरान अपनी जान गंवाई थी। अपनी यात्रा के दौरान, पीएम मोदी ने शहीदों की गैलरी का भी दौरा किया, जहां सभी शहीदों की प्रतिमाएं स्थापित हैं ।और सभी को सम्मान दिया। प्रधानमंत्री ने ब्रह्मपुत्र नदी पर क्रूज जहाज श्चराइदेवश पर असम के विभिन्न हिस्सों से चुने गए 25 छात्रों के साथ एक विशेष और प्रेरणादायक बातचीत भी की, जो राज्य की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान एक अनोखी मुलाकात थी।

संपादकीय

अरावली को मृत्युदंड

पर्यावरण संरक्षण का मोदी सरकार का वादा उसके बाकी वादों की तरह न केवल खोखला है, बल्कि डरावना भी है। इस संरक्षण के नाम पर सरकार ने एक उद्योगपति को निजी जंगल बनाकर उसमें तमाम तरह के जानवर पालने की अनुमति दे दी। पूरी दुनिया में ऐसे भ्रष्टाचार की मिसाल नहीं मिलेगी। लेकिन पर्यावरण को लेकर सरकार के खौफनाक रवैये का यह अकेला उदाहरण नहीं है। नया उदाहरण 2 अरब साल पुरानी अरावली पर्वत श्रृंखला को सुप्रीम कोर्ट के जरिए मृत्युदंड सुनाने का है। सरकार की बनाई कमेटी की तय परिभाषा के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने अरावली में खनन की जो अनुमति दी है, वह किसी मृत्युदंड से कम नहीं है।अगड़े–पिछड़े, लोकतांत्रिक–तानाशाही वाले तमाम देशों में पर्यावरण के मुद्दों पर व्यापक बहस होती है, फिर भावी पीढ़ियों को ध्यान में रखकर फैसले लिए जाते हैं। लेकिन भारत शायद इकलौता देश है जहां सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर केंद्र की सिफारिश पर अपनी मुहर लगा दी और इसमें पर्यावरणविदों की राय जरूरी नहीं समझी गई। सरकार ने किसी पर्यावरणविद को भले सलाहकार नहीं बनाया, फिर भी अरावली में खनन के खिलाफ जो आवाजें चारों तरफ से उठ रही हैं, उन पर ही सर्वोच्च न्यायाल को स्वतरू संज्ञान लेना चाहिए कि आखिर क्या गलत हो रहा है, जिस पर इतना विरोध हो रहा है।गौरतलब है कि अरावली पहाड़ियों की परिभाषा के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा पर्यावरण मंत्रालय, भारतीय वन सर्वेक्षण, भारतीय भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण, राज्यों के वन विभागों और सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी के सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई जिसे अरावली को परिभाषित करने को कहा गया। कमेटी ने कोर्ट के सामने अपनी अनुशंसा में कहा कि दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात इन चार राज्यों में लगभग 670 किमी तक फैली अरावली पहाड़ियों में वही पहाड़ियां अरावली श्रृंखला का हिस्सा मानी जायें जिनकी ऊंचाई 100 मीटर या उससे अधिक हो। भारतीय वन सर्वेक्षण के अनुसार, पूरी अरावली श्रृंखला में 12,081 पहाड़ियां हैं जिनमें से मात्र 1048 पहाड़ियां ही यानी केवल 8.7 प्रतिशत हिस्सा ही सरकार के 100 मीटर के मानक पर खरी उतरता है। जिस पहाड़ी की ऊंचाई 99 मीटर है, उसे भी सरकार ने पहाड़ी नहीं माना है। कमेटी की अनुशंसाओं से असहमति जताते हुए न्यायमित्र वरिष्ठ वकील के. परमेश्वर ने अरावली श्रृंखला की नई परिभाषा का विरोध किया। उन्होंने कहा था कि भारतीय वन सर्वेक्षण ने इससे पहले अरावली की परिभाषा को लेकर जो नियम बनाये थे, उसके अनुसार, 3 डिग्री से अधिक ढाल, जिसमें घाटियों की चौड़ाई 500 मीटर हो, उसे अरावली श्रृंखला का हिस्सा समझा जाये, इसके अतिरिक्त पहाड़ी के नीचे (तलछटी) में 100 मीटर की चौड़ाई तक किसी भी किस्म की कोई गतिविधि ना की जाये। लेकिन अब तो नया खेल करके सौ मीटर ऊंचाई का मापदंड बना दिया गया है। जिसके बाद इन पहाड़ियों के मनचाहे खनन का खेल खेलने के लिए मैदान साफ है।कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 4 दिसंबर को द हिंदू में प्रकाशित अपने लेख में इसे श्अरावली के लिए एक डेथ वारंट यानी मृत्युदंड का ऐलान बताया था। उन्होंने लिखा था कि यह निर्णय उन समूहों के लिए वरदान है जो अवैध खनन और जमीन कब्जे में शामिल रहते हैं। सोनिया गांधी ने याद दिलाया कि अरावली सदियों से उत्तर भारत की जलवायु को संतुलित रखने, थार रेगिस्तान के फैलाव को रोकने और राजस्थान के जंगलों को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती आई है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि राजधानी दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण अब रोजमर्रा की समस्या नहीं रहा, बल्कि यह एक बड़े जन–स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है। देश के दस बड़े शहरों में सालाना 30 हजार से अधिक मौतें सिर्फ प्रदूषण की वजह से हो रही हैं।

जैम से जीवन भर की कमाई संकट में

हरिशंकर व्यास

जनधन खाते, आधार और मोबाइल यानी जैम ने लोगों का जीवन निश्चित ही बदला है। पर इन्हीं तीनों चीजों ने लाखों लोगों के जीवन को और उनकी जीवन भर की कमाई को संकट में भी डाला है। याद करें जब नोटबंदी का फैसला विफल होने लगा था और काला धन रोकने का दावा फेल हुआ तो कहा गया था कि इससे डिजिटल लेन देन बढ़ेगी। देश की अर्थव्यवस्था ज्यादा संगठित होगी। उस समय यह भी कहा गया कि लोग नकदी लेकर चलते हैं तो लूट हो जाने या छीन लिए जाने या पैसे गिर जाने का खतरा है। जबकि यदि उनके पास प्लास्टिक मनी हुई या उनके खाते को मोबाइल फोन के जरिए एक्सेस करके भुगतान हो सकेगा या पैसे निकाले जा सकेंगे या मोबाइल वॉलेट में पैसे होंगे तो छीन लिए जाने का खतरा कम होगा। लेकिन आज हालात क्या है? इसका उलटा हुआ। पहले लोगों के थोड़े से पैसे लूटे या छीने जाते थे लेकिन अब तो पूरी जमापूंजी ही गायब हो जाने का खतरा है। असंख्य लोग एक फ्रॉड काल में अपनी पूरी जमापूंजी गंवा चुके हैं। दूसरा संकट है कि इसमें असली ठगों की जगह दूसरे ऐसे लोग फंस रहे हैं, जिनका इससे कोई लेना देना नहीं होता है। वे अनजाने में या थोड़े से लालच में ठगों के जाल में फंसते हैं और फिर मुकदमे झेलते हैं। ऐसे लोगों में कॉलेज जाने वाले छात्र, बेरोजगार इंसान, गांवों में रहने और छोटे मोटे काम करके कमाई करने वाले लोग, बुजुर्ग या नशे के आदी लोग शामिल हैं। इनको पैसे का लालच देकर ऐसे काम के लिए कहा जाता है, जो इनकी नजर में गैरकानूनी नहीं होता है। सोचें, पहले जब लूटमार या छीनझपट होती थी तो उन घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरफ्तार होते थे। वे इस जोखिम को समझते थे इसलिए घटनाएं कम ही होती थी। लेकिन अब जो असल में लूट को अंजाम देता है वह कौन है, कहां बैठा है किसी को पता नहीं होता है। उसके काम का अंजाम दूसरे लोग भुगतते हैं। अब ठगी और लूट की ऐसी व्यवस्था बन गई है कि तकनीक की समझ रखने वाले लोग बहुत सहज तरीके से और कम जोखिम उठा कर ज्यादा लूट कर रहे हैं। इस लूट को आम बोलचाल की भाषा में साइबर फ्रॉड के नाम से जाना जाता है। लेकिन इसके कई हिस्से हैं। एक क्रेडिट और डेबिट कार्ड का फ्रॉड है तो दूसरा मोबाइल वॉलेट से पैसे निकालने का फ्रॉड है, बैंकिंग से जुड़े फ्रॉड अलग हैं और सबसे ज्यादा चर्चा में डिजिटल अरेस्ट का फ्रॉड है। आम लोगों के लिए इसमें चिंता की बात यह होती है कि पुलिस भी तकनीक को लेकर बहुत जानकार नहीं है। बहुत देर से देश में साइबर थाने बने और साइबर क्राइम रजिस्टर्ड होने लगा लेकिन तब भी इसकी जांच करने वाले तकनीकी विशेषज्ञों की संख्या बहुत कम रही। जो ठगी करते हैं वे जांच करने वालों से मीलों आगे होते हैं। पारंपरिक ठगी और लूटमार में पुलिस अपने तरीके से अपराधियों तक पहुंच जाती है लेकिन साइबर अपराध में यह मुश्किल होता है। इसलिए साइबर अपराधियों के पकड़े जाने और लूटे गए पैसे की रिकवरी का औसत बहुत कम है। किस तरह से आम लोगों से ठगी होती है और कैसे उसमें सीधे सादे लोग फंसते हैं यह जानना हैरान करने वाला है। सरकार ने लोगों के बैंक खाते, आधार, पैन और मोबाइल नंबर को लिंक करके उनका काम आसान बना दिया है। अगर साइबर ठग के पास किसी व्यक्ति का कोई एक नंबर है तो वह बड़ी आसानी से उसकी सारी जानकारी हासिल कर सकता है। सबको पता है कि भारत में आए दिन डाटा लीक होता रहता है, जिससे आम लोगों की सारी जानकारी ठगों तक पहुंचती है। इसके अलावा साइबर ठग लोगों के सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी ट्रैक करते हैं। वहां से वे आसामी चुनते हैं, जिनके साथ ठगी करनी है और वहीं से ऐसे लोगों को भी चुनते हैं, जिनका ठगी में इस्तेमाल करना है। वे ऐसे लोगों का एक नेटवर्क बनाते हैं।

नाम मुस्लिम का लेते हैं मगर नुकसान सबका करते हैं

शकील

दूसरा उदाहरण। अमेरिका के टैरिफ ने भारत लघु मध्यम उद्योगों की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी है। टेक्सटाइल, लेदर, जेम्स एंड ज्वेलरी, जेनेरिक दवाएं, बासमती चावल, मसाले, कालीन, इलेक्ट्रानिक्स जैसी तमाम चीजें भारत सो अमेरिका जाती थीं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसी साल अहमदाबाद के कांग्रेस अधिवेशन में चेतावनी दी थी कि भारत में आर्थिक तूफान आने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी की पूरी राजनीति केवल बोलने पर आधारित है। कुछ भी बोलो। अभी असम में बोले कांग्रेस इस राज्य को पूर्वी पाकिस्तान को दे देना चाहती थी। बंगाल में जंगल राज को और बढ़ा कर के महा जंगलराज बोल दिया। अभी केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी में भी चुनाव हैं वहां भी ऐसे ही बोलेंगे। शब्दों का अर्थ ही खत्म हो जाएगा। मोदी को इससे कोई मतलब भी नहीं है। उन्हें केवल वोट चाहिए। वह इसके लिए भैंस, मंगलसूत्र, श्मशान, कब्रिस्तान कुछ भी बोल सकते हैं। 11 साल हो गए। पहले लगता था कि प्रधानमंत्री बन गए हैं अब गंभीर बात करेंगे। मगर मोदीजी प्रधानमंत्री पद की गरिमा के अनुरूप बनने को तैयार ही नहीं हुए। उन्हें वोट मिल रहे हैं, मीडिया समर्थन कर रहा है इसके अलावा उन्हें कुछ नहीं चाहिए। जैसे बाकी चीजें कहते हैं वैसे ही देश विकास कर रहा है, वे खुद विश्व गुरु बन गए हैं, मानने लगे हैं। मगर क्या इससे देश बनता है? जनता चाहे चुप हो जाए। अपने सोचने–समझने की शक्ति खोकर उनके पीछे चलती रहे। मगर कब तक? अनंत काल तक यह नहीं हो सकता। बेवकूफ बनने की भी एक सीमा होती है। अभी जो जनता पर नशा है वह धार्मिक उन्माद का। मुस्लिम को मोदी ने टाइट कर रखा है। बस प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष यही मैसेज लगातार भेजा जाता है। पर पीड़ा में सुख लेने के इस नशे में जनता अपनी तकलीफें भूली हुई है।लेकिन क्या यह नरेटिव (कहानी, प्रचार) सही है कि नुकसान केवल मुस्लिम का हो रहा है बाकी लोगों का नहीं? आइये कुछ उदाहरणों से देखते हैं। एक, मोदी सरकार ने संसद के अभी खत्म हुए इस शीतकालीन सत्र में ग्रामीणों को अपने ही गांव में जब भी जरूरत हो काम मांगने का गारंटीशुदा अधिकार मनरेगा खत्म कर दिया। इसके बदले में जो दूसरी योजना श्जी राम जीश लाए हैं उसमें काम की कोई गारंटी नहीं है। पैसा होगा तो काम चलेगा नहीं तो नहीं।पहले ऐसा नहीं था अगर गांव वालों को काम चाहिए तो सरकार को पैसा देना ही होगा। और मजदूरी का पूरा पैसा केन्द्र सरकार को। अब वह नियम भी बदल दिया। राज्य सरकार को इसमें 40 प्रतिशत देना होगा। राज्य सरकारें वैसे ही कर्ज लेकर अपना खर्च चला रही हैं मजदूरी का पैसा कहां से देंगी योजना बंद हो जाएगी। अब यही वह सवाल है कि नुकसान किस का होगा? गांवों के दलित, पिछड़े, आदिवासियों, महिलाओं का। जिनसे कहा जा रहा है कि मोदी सरकार मुस्लिम को टाइट कर रही है। मुस्लिम इस योजना का सबसे कम लाभार्थियों में है। उसे कुछ ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा मगर गांव के बाकी लोगों के रोजगार का मुख्य साधन खत्म हो जाएगा। नाम मुस्लिम का लेते हैं मगर नुकसान सबका करते हैं।दूसरा उदाहरण। अमेरिका के टैरिफ ने भारत लघु मध्यम उद्योगों की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी है। टेक्सटाइल, लेदर, जेम्स एंड ज्वेलरी, जेनेरिक दवाएं, बासमती चावल, मसाले, कालीन, इलेक्ट्रानिक्स जैसी तमाम चीजें भारत सो अमेरिका जाती थीं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसी साल अहमदाबाद के कांग्रेस अधिवेशन में चेतावनी दी थी कि भारत में आर्थिक तूफान आने वाला है। और अभी इस टैरिफ की मार से परेशान भदोई के कालीन उद्योग वाले जब राहुल को अपना दुखड़ा सुनाने आए तो राहुल ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा टैरिफ के खिलाफ कुछ भी न करने के कारण वह आर्थिक तूफान आ गया है।अब यहां भी वही बात। प्रचार तो यह किया जाता है कि मोदी सरकार की सख्ती ने मुस्लिम को परेशान कर रखा है। मगर यहां फिर केवल परेशान होने वाला नहीं आर्थिक रूप से पूरी तरह टूट गया उद्योगपति और व्यापारी बहुसंख्यक समुदाय का है। एक और उदाहरण। लास्ट। प्रदूषण जानलेवा हो गया है। अब बच्चों, बुजुर्गों की बात नहीं जवान लोगों की हालत खराब हो गई है। डाक्टर कहते हैं कि दिल्ली एनसीआर छोड़ दो। मगर हमारे प्रधानमंत्री इस विषय पर पूरी तरह मौन हैं। एक शब्द भी नहीं बोले। संसद में इस पर चर्चा भी नहीं होने दी। और मजेदार यह कि सरकार की तरफ से कहा गया कि कांग्रेस चर्चा

नहीं चाहती थी। पहली बात तो यह कि चर्चा मांगी ही कांग्रेस ने थी। लोकसभा की कार्यसूची में आ गया था। प्रियंका गांधी चर्चा की शुरुआत करने वाली थीं। दूसरी बात मोदी सरकार कांग्रेस के नहीं चाहने पर कब से मानने लगी? कांग्रेस ने तो वंदे मातरम पर भी कहा था कि उसका पूरा सम्मान है। हमारे हर अधिवेशन की शुरूआत ही इसी से होती है। इस पर विवाद क्यों कर रहे हो। चर्चा की क्या जरूरत है? मगर यहां तो सरकार ने कांग्रेस की मर्जी के विरुद्ध इस पर चर्चा करवाई। और प्रदूषण जो इस समय की सबसे भयानक समस्या बन गई है उस पर यह मजेदार बात कहकर नहीं करवाई कि कांग्रेस नहीं चाहती है। कांग्रेस क्यों नहीं चाहती है? यह नहीं बताया। मगर शायद इसलिए नहीं चाहती हो कि प्रदूषण का ये इल्जाम भी कहीं नेहरू के सिर पर न आ जाए। प्रदूषण के दोषी नेहरू। गोदी मीडिया शुरु हो जाए। खैर तो इस प्रदूषण से भी सब प्रभावित हैं। जैसा कि भक्त, मीडिया भाजपा के नेता किसी एक धर्म पर खास टारगेट करते हैं सिर्फ वही तो नहीं। प्रदूषण खराब चीज है मगर फिर इतना तो है कि भेदभाव नहीं करता। सबकी सांसें बंद कर रहा है। मगर मोदी सरकार पर कोई असर नहीं। केन्द्र में उनकी सरकार, दिल्ली राज्य में, पड़ोस में लगते हुए सभी राज्यों उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान में। दिल्ली का नगर निगम भी। ट्रिपल इंजन सरकार। मगर प्रदूषण के खात्मे के लिए एक इंच भी आगे नहीं बढ़ती। तो परेशान सब हैं। मगर यथार्थ पर कहानी भारी है। कहानी, नरेटिव यह कि तुम खुश रहो हम उनका इलाज कर रहे हैं। इलाज सबका हो रहा है। और जैसा बताया बहुसंख्यक समुदाय का ज्यादा। मगर हिन्दू–मुसलमान का नशा इतना गहरा है कि अपना नुकसान भी नहीं दिख रहा।कांग्रेस यह करती थी, कांग्रेस वह करती थी, इसके अलावा मोदी जी कुछ बोलते हैं? जैसे बताया प्रदूषण पर नहीं बोले वैसे ही अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के जाने कितनी बार 60 बार या 70 बार किए इस दावे पर भी नहीं बोले कि सीज फायर मैंने व्यापार की धमकी देकर करवाया है। ट्रंप ने सीज फायर के बाद से लगातार पाकिस्तान की तारीफ की। हमारा अपमान किया। मगर क्या मजाल कि एक बार भी प्रधानमंत्री इसका जवाब देते। मगर शायद देश की जनता यह भी नहीं देख सुन रही है। वोट चोरी हो रही है। उसके वोट का अब कोई मतलब नहीं है। वह किसी को भी डाले पहुंच वहीं रहा है जहां मोदी जी चाहते हैं। कल को वह दिन भी आने वाला है जब जनता के पास कोई वोट मांगने भी नहीं आएगा। जब वोट को हम अपने हिसाब से मैनेज कर सकते हैं तो जनता के पास जाकर टाइम क्यों खराब करना। और जनता के वोट की कीमत नहीं रहेगी तो जनता की भी नहीं रहेगी। बहुत मुश्किल दौर है। लोकतंत्र संविधान सब खत्म किया जा रहा है। खुद जनता का महत्व भी। जैसे राजा रजवाड़ों में प्रजा होती थी वैसे बनाए जाने की तैयारी हो रही है। रोज कर्तव्यों के बारे में बताया जाता। पुराने नाम हटाकर कर्तव्य पथ, कर्तव्य भवन जैसे नाम इसीलिए रखे गए हैं। प्रजा के केवल कर्तव्य ही होते थे। अधिकार आधुनिक विचार है। लोकतंत्र से निकला है। उसे देश के लिए नुकसानदेह बताकर पेश किया जाता है। राजतंत्र का तरीका। जहां राजा ही सर्वोपरि होता है। ईश्वर का प्रतिनिधि। मोदी जी ने यही तो कहा था कि मुझे लगता है कि ईश्वर ने मुझे कुछ खास काम करने के लिए भेजा है। ईश्वर के दूत के रूप में वे खुद को स्थापित कर रहे हैं।

तेल आपूर्ति के गणित को बदल रही है भूराजनीति

के रवींद्रन

अमेरिका रिकॉर्ड स्तर के करीब पंप करना जारी रखे हुए है, ब्राजील और गुयाना और बैरल जोड़ रहे हैं, और कई ओईसीडी देशों में मांग फिर से बन रही है। इस पृष्ठभूमि में, रूसी बैरल के एक ज्यादा सामान्य व्यापार प्रणाली में संभावित जुड़ाव का बहुत बड़ा मनोवैज्ञानिक असर पड़ा है। फरवरी 2021 के बाद पहली बार तेल की कीमतें +60 प्रति बैरल से नीचे आ गई हैं और यूरोपियन गैस की कीमतों में भारी गिरावट अन्य वस्तुओं में चक्रीय गिरावट से कहीं ज्यादा है। ये ऐसे समय में भूराजनीतिक जोखिम की तेजी से पुनर्मूल्य निर्धारण का संकेत देते हैं जब कूटनीति, ऊर्ध्वगामी होने के बजाय, बाजार की मानसिकता पर हावी होने लगी है। नवंबर के बीच से यूरोपियन गैस की कीमतों में लगभग 16 प्रतिशत की गिरावट और कच्चे तेल में नई कमजोरी के बाद ऐसे संकेत मिले हैं कि अगर यूक्रेन विवाद खत्म करने के लिए बातचीत आगे बढ़ती है तो रूसी तेल कंपनियों पर लगे प्रतिबंध में ढील दी जा सकती है। यह संभावना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे से और मजबूत हुई है कि युद्ध के किसी भी पहले के चरण की तुलना में समझौता ज्यादा करीब हो सकता है।बाजार ने ठोस नीतिगत बदलावों पर कम और बदलती उम्मीदों पर ज्यादा प्रतिक्रिया दी है। 2022 की शुरुआत से, तेल और गैस की कीमतों में काफी भूराजनीतिक वृद्धि रही है, जो आपूर्ति में रुकावट, प्रतिबंध और वैश्वक ऊर्जा व्यापार के टूटने के डर से जुड़ा है। वह वृद्धि अब खत्म हो रही है। अमेरिका रिकॉर्ड स्तर के करीब पंप करना जारी रखे हुए है, ब्राजील और गुयाना और बैरल जोड़ रहे हैं, और कई ओईसीडी देशों में मांग फिर से बन रही है। इस पृष्ठभूमि में, रूसी बैरल के एक ज्यादा सामान्य व्यापार प्रणाली में संभावित जुड़ाव का बहुत बड़ा मनोवैज्ञानिक असर पड़ा है।रूसी कच्चा तेल बाजार से कभी पूरी तरह गायब नहीं हुआ, लेकिन पाबंदियों की वजह से इसे छूट पर बेचने, लंबे शिपिंग रूट और खरीदारों का ग्रुप कम करने पर मजबूर होना पड़ा। अगर रूसी तेल कंपनियों पर लगी पाबंदियां हटा दी जाती हैं या उनमें ढील दी जाती है, तो मॉस्को को उत्पादन और निर्यात में ज्यादा लोच मिलेगी, जबकि खरीदारों को कम अनुपालन जोखिम का सामना करना पड़ेगा। बड़े मार्केट के लिए, इसका मतलब होगा कि उपलब्ध आपूर्ति में असरदार बढ़ोतरी होगी और उन कमियों में कमी आएगी, जिन्होंने पिछले तीन सालों में बैलेंस को कड़ा किया है।यूरोपियन गैस की कीमतें भी कुछ ऐसी ही कहानी कहती हैं। हालांकि रूसी पाइपलाइन गैस के जल्द ही युद्ध से पहले के परिमाप पर लौटने की उम्मीद नहीं है, लेकिन कोई भी कूटनीतिक नरमी उन जोखिमों को कम करती है जो 2022 से बाजार को परेशान कर रहे हैं। यूरोप ने एलएनजी आयात क्षमता,भंडारीकरणऔर मांग में कमी लाने में भारी निवेश किया है, जिससे यह ढांचा के हिसाब से ज्यादा मजबूत बन गया है। फिर भी, कीमतों में मॉस्को के साथ लंबे समय तक टकराव के डर से जुड़ा जोखिम प्रीमियम बना हुआ है। जैसे–जैसे बातचीत की बातों पर भरोसा बढ़ रहा है, वह प्रीमियम कम हो गया है, जिससे सर्दी आने के बावजूद बेंचमार्क गैस की कीमतों में भारी गिरावट आई है।कम तेल और गैस की कीमतें महंगाई के दबाव को कम करती हैं, व्यापार संतुलन में सुधार करती हैं, और केन्द्रीय बैंकों को ज्यादा नीतिगत लोच देती हैं। खासकर यूरोप को गैस की कीमतों में लगातार राहत से फायदा होगा, जो 2022 से औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता पर एक बड़ा बोझ रही हैं। रसायन, धातु, और रासायनिक खाद जैसे ऊर्जा की गहनता वाले क्षेत्र में लाभ में सुधार हो सकता है, जबकि घरों को गर्म रखने में और बिजली का खर्च कम होगा। फिर भी, लंबे समय की अनिश्चितताएं भी हैं। कीमतों में लंबे समय तक कमी से अपस्ट्रीम तेल और गैस परियोजनाओं में निवेश कम हो सकता है, खासकर ज्यादा लागत वाले क्षेत्रों में। यह जोखिम तब और भी ज्यादा हो जाता है जब उत्पादक एक नई बाजार–शेयर की लड़ाई की उम्मीद करते हैं जो कीमत की स्थिरता के बजाय मात्रा को प्राथमिकता देती है। आज कम निवेश से दशक के आखिर में बाजार तंग हो सकते हैं, खासकर अगर मांग मौजूदा उम्मीदों से ज्यादा मजबूत साबित होती है।ऊर्जा संक्रमण एक और मुश्किल पैदा करता है। खनिज ईंधन की कीमतों में कमी गैर पारंपरिक ऊर्जा उपायों को अपनाने की गति को धीमा कर सकती हैं। साथ ही, कम ऊर्जा लागत का सामना करने वाली सरकारों को जलवायु नीतियों को बनाए रखना या उन्हें और मजबूत करना राजनीतिक रूप से आसान लग सकता है। कुल असर हर क्षेत्र में अलग–अलग होगा, लेकिन भूराजनीतिक कीमतों और संक्रमण के बीच तालमेल ऊर्जा बाजार की एक खास पहचान बने रहने की संभावना है। मौजूदा घटना के बारे में जो बात चौंकाने वाली है, वह है तेजी से माहौल का बदलना। पिछले तीन सालों में ज्यादातर समय, ऊर्जा बाजार पर सबसे खराब हालात हावी थे जैसे यूक्रेन में तनाव बढना, कड़े प्रतिबंध, और बड़े उत्पादकों द्वारा जानबूझकर आपूर्ति में कटौती। मौजूदा बिकवाली से पता चलता है कि व्यापारी अब तनाव कम होने, व्यापार के बहाव के सामान्य होने, और ज्यादा प्रतिस्पर्धात्मक आपूर्ति माहौल को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। यह आशावाद आखिरकार सही साबित होगा या नहीं, यह समझौता वार्ता के नतीजों और किसी भी राजनीतिक समझौते की स्थिरता पर निर्भर करेगा।

भारत की सबसे बड़ी समस्या वायु प्रदूषण

अजीत द्विवेदी

राजधानी दिल्ली और राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर का हर शहर वायु प्रदूषण की आपदा का शिकार है। यह अलग बात है कि सरकार इसे आपदा स्वीकार करने को तैयार नहीं है। संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने राज्यसभा में बताया कि ऐसा कोई आंकड़ा देश में उपलब्ध नहीं है, जो किसी बीमारी या मृत्यु को सीधे तौर पर वायु प्रदूषण से जोड़ सके। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को सांस से संबंधित जो बीमारियां हो रही हैं उनमें हो सकता है कि एक कारण वायु प्रदूषण हो। इस तरह सरकार ने पल्ला झाड़ लिया और यह भी कह दिया कि सिर्फ वायु प्रदूषण से कोई बीमारी हो रही है या किसी की मौत हो रही है, इसका न कोई प्रमाण है और न कोई आंकड़ा है। दूसरी ओर लोकलसर्कल्स की ओर से कराए गए ताजा सर्वेक्षण में दिल्ली में 82 फीसदी लोगों ने माना है कि है उनके किसी न किसी परिचित या रिश्तेदार को वायु प्रदूषण के कारण सांस से जुड़ी बीमारी हुई है। आठ फीसदी लोग दिल्ली छोड़ कर जाने को तैयार हैं और 74 फीसदी लोग इलाज के खर्च को लेकर चिंता में हैं। यह सर्वे तब का है, जब पड़ोस के राज्यों में किसानों का पराली जलाना बंद हो चुका है और फिर भी एक्यूआई सरकारी रीडिंग की अधिकतम सीमा पांच सौ तक पहुंचा हुआ है! असल में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई का लगातार श्खराब्य या श्बेहद खराब्य या श्गंभीरश्य और श्खतरनाकश्य श्रेणी में होना सिर्फ दिल्ली और एनसीआर की परिघटना नहीं है। धीरे धीरे यह पूरे देश की परिघटना बन गई है। देश के बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक हवा की खराब गुणवत्ता करोड़ों लोगों के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रही है। गंगा यमुना के मैदानी इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हैं लेकिन देश के ज्यादातर शहरों में हवा के साथ जो अलग अलग साइज का पार्टिकुलेट मैटर यानी पीएम लोगों के फेफड़ों में भर रहा है वह लोगों की उम्र घटा रहा है। वह छोटे छोटे बच्चों के फेफड़े भी खराब कर रहा है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में देश के ढाई सौ से ज्यादा शहरों में हवा की गुणवत्ता को मॉनिटर किया गया और उनमें से डेढ़ सौ शहरों में पीएम 2.5 की मात्रा इसके लिए निर्धारित राष्ट्रीय औसत से ज्यादा मिली। इसके मुताबिक गंगा यमुना का मैदानी इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित है। 2025 में दिल्ली में सर्दियों के मौसम में प्रति घनमीटर हवा में पीएम 2.5 का स्तर 107 से 130 रहा, जो भारत में तय राष्ट्रीय औसत 60 से दोगुने से भी ज्यादा है। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन, डब्लुएचओ ने तय किया है कि प्रति घनमीटर पीएम 2.5 का औसत 15 होना चाहिए। इसके मुताबिक आठ गुने से भी ज्यादा है। पीएम 2.5 सबसे बारीक और खतरनाक धूल कण होते हैं, जो सांस के साथ शरीर में जाते हैं और रक्त कोशिकाओं में घुल कर शरीर के हर हिस्से में पहुंच जाते हैं। ये समान रूप से हृद्य को, मस्तिष्क को और दूसरे अहम अंगों को नुकसान पहुंचाते हैं। हवा की खराब गुणवत्ता दिल्ली के लोगों के जीवन को किस तरह से मुश्किल में डाल रही है इसको शिकागो यूनिवर्सिटी के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट के एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स से समझा जा सकता है। इसके मुताबिक भारत में 46 फीसदी यानी लगभग आधे भारतीय ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं, जहां वायु प्रदूषण के कारण औसत आयु में कमी आ रही है। अगर विश्व स्वास्थ्य संगठन के ओर से तय पीएम 2.5 के औसत को आधार मान कर देखें तो दिल्ली में प्रति व्यक्ति औसत आयु आठ साल कम हो रही है। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर रिपोर्ट 2025 के मुताबिक 2023 में वायु प्रदूषण के कारण भारत में 20 लाख लोगों की मौत हुई है। प्रदूषण से जुड़ी मृत्युदर में सन 2000 के बाद से 40 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। सोचें, एक तरफ इतनी बड़ी संख्या में मौतें हो रही हैं, जो किसी न किसी रूप में प्रदूषण से जुड़ी हैं तो दूसरी ओर सरकार कह रही है कि उसके पास वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारी और मौत का कोई आंकड़ा नहीं है! ऐसा कैसे हो सकता है कि सरकार पीएम 2.5 और पीएम 10 के लोगों की सांस के साथ फेफड़े में और उनकी धमनियों में जाने के असर का आकलन नही कर सके, जबकि यह आज की समस्या नहीं है? दो दशक से ज्यादा समय से सर्दियों में पार्टिकुलेट मैटर्स के हवा के साथ नीचे आने और सांस के रास्ते लोगों के शरीर में प्रवेश करने और रक्त प्रवाह में शामिल होकर कई किस्म की बीमारियों को जन्म देने का खतरा जानकारों द्वारा बताया जा रहा है। पर्यावरण का अध्ययन करने वाली संस्थाओं के साथ साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले जानकार और डॉक्टर लगातार इसे लेकर चेतावनी दे रहे हैं। कई अध्ययन यह बताते हैं कि अगर हवा में पीएम 2.5 के स्तर में 10 अंक की बढ़ोतरी होती है तो लंबे समय में यह मृत्यु दर को आठ फीसदी बढ़ा देता है और यह दिल की बीमारियों को कई गुना बढ़ाता है। सरकार विदेशी एजेंसियों के आंकड़ों पर सवाल उठा सकती है। लेकिन क्या एम्स दिल्ली की रिपोर्ट को भी खारिज कर सकती है? एम्स दिल्ली का क्लीनिकल डाटा बताता है कि अगर पीएम 2.5 के स्तर में 10 अंक की बढ़ोतरी होती है तो बच्चों में सांस की बीमारियों में 20 से 40 फीसदी तक का इजाफा हो जाता है। उनके फेफड़े के काम करने की क्षमता 10 से 15 फीसदी तक कम हो जाती है। यह मामूली चिंता की बात नहीं है कि देश के छह फीसदी बच्चे अस्थमा जैसी बीमारी से ग्रस्त हो गए हैं। जिस तरह से वायु प्रदूषण दिल और फेफड़े को प्रभावित करता है उसी तरह से यह मस्तिष्क को भी प्रभावित करता है। रक्त प्रवाह के साथ पीएम 2.5 जब ब्रेन तक पहुंचता है तो कई किस्म की न्यूरो समस्याओं को जन्म देता है। बच्चों में सोचने समझने की क्षमता को कम कर देता है और बड़े लोगों में याद्दाश्त को घटाता है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययन से पता चलता है कि पीएम 2.5 की 10 अंक की मात्रा बढ़ने पर डिमेंशिया का खतरा 35 से 50 फीसदी तक बढ़ जाता है। वायु प्रदूषण का खतरा वैसे तो हर वर्ग के लोगों के लिए है लेकिन सड़क के किनारे रहने वाले और औद्योगिक क्षेत्रों में खुले में रहने वाले लोग इससे ज्यादा प्रभावित हैं। क्षेत्र के हिसाब से देखें तो पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

यूपी में अब पशुओं का इलाज होगा सस्ता, हर ब्लॉक में खुलेंगे पशु जन औषधि केंद्र...मिलेंगी जेनेरिक दवाएं

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में इंसानों की ही तरह अब पशुओं को भी जेनेरिक दवाएं मिल सकेंगी। इसके लिए हर ब्लॉक में पशु जन औषधि केंद्र खोलने की कवायद शुरू हो गई है। इससे पशुओं का इलाज सस्ता होगा। इन केंद्रों को खोलने के लिए हर जिले में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में मरीजों को मिलने वाली जेनेरिक दवाओं की तरह ही अब पशुपालकों को भी सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने की तैयारी है। ब्लॉकों में खुलने वाले पशु जन औषधि केंद्रों पर एंटीबायोटिक्स, टीके, डी वॉर्मिंग दवाएं, विटामिन और अन्य जरूरी दवाएं उपलब्ध होंगी। पूरे प्रदेश में ऐसे 826 जन

औषधि केंद्र खोलने की तैयारी है। इन केंद्रों को खोलने के लिए हर जिले में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (सीवीओ) कार्यालय में एक नोडल अधिकारी तैनात किया गया है। वह केंद्र खोलने के लिए आने वाले आवेदकों की मदद करेंगे। जरूरी दस्तावेजों की जांच के साथ ही आवेदकों की शंकाओं का समाधान भी करेंगे। जिला स्तर से आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद पोर्टल के जरिये उसे प्रदेश स्तर पर भेजा जाएगा। यहां से अंतिम मुहर लगने के बाद पशु जन औषधि केंद्रों का संचालन शुरू हो जाएगा। राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी डॉ. विवेकानंद बताते हैं कि पोर्टल शुरू हो गया है। पशु जन औषधि केंद्रों का संचालन सहकारी समिति और पीएम कृषक समृद्धि केंद्र के सदस्य ही कर सकेंगे। आवेदन के लिए फार्मासिस्ट पंजीकरण प्रमाणपत्र और ड्रग लाइसेंस लेना होगा। कई जिलों में आवेदन मिले हैं उन पर सीवीओ कार्यालय से सत्यापन किया जा रहा है। प्रयास है कि जल्द से जल्द सभी ब्लॉकों में ये केंद्र खोल दिए जाएं। इसके लिए लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। पशु चिकित्सक डॉ. पंकज गुप्ता बताते हैं कि पशुओं की दवाएं बाजार में काफी महंगी हैं। कई बार नकली दवाएं भी मिल जाती हैं। पशुपालक समय से पशुओं का इलाज नहीं करा पाते हैं।

एंजल इन माई हार्ट ने जीती अर्जुन कप रेस

लखनऊ, (संवाददाता)। शहर में रविवार को कड़ाके ठंड के बावजूद प्रशंसकों का उत्साह चरम पर दिखा। लखनऊ रेस कोर्स में अर्जुन कप के लिए घुड़दौड़ देखने को दर्शकों की भीड़ सुबह से जमा हो गई। 12:30 के करीब थॉरोब्रीड घुड़दौड़ प्रतियोगिता के लिए घोषणा की गई। जॉकी अपने घोड़ों को लेकर स्टार्टिंग लाइन पर पहुंच गए। साथ ही दर्शकों की भीड़ भी ट्रैक और दर्शक दीर्घा के बीच लगी बल्लियों के सहारे टिक कर खड़ी हो गई। इस दौरान दर्शक अपने उस घोड़े को नाम से पुकारने लगे, जिस पर उन्होंने दांव लगा रखा था। इसी बीच रेस शुरू हुई और कुछ ही देर में घोड़े हवा से बातें करने लगे। इस बीच एंजल इन माई हार्ट ने सभी को पीछे छोड़ पलक झपकते रेस पूरी की और विजेता बनने का गौरव हासिल किया। अमर हबीबुल्लाह के चोपिन को दूसरा और विकास पांडेय की मैरिएला को तीसरा स्थान मिला। विजेताओं को सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति यू के धवन ने ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इंडियन ब्रीड की घुड़दौड़ प्रतियोगिता में एस अब्बास नकवी के गोल्डन ब्वॉय का विजेता बना। नायशा जायसवाल के बडवाइजर को दूसरा और विकास पांडेय के रुद्रा को तीसरा स्थान से मिला।

संक्षिप्त खबरें

जिला प्रशासन के निर्देश पर कक्षा आज तक के सभी बोर्ड के स्कूल बंद

अयोध्या।ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने कक्षा 1 से लेकर कक्षा 8 तक के सभी बोर्ड के स्कूलों को 24 तथा 26 दिसंबर को बंद करने का निर्देश दिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए बीएसए लाल चंद्र ने बताया कि डीएम निखिल टीकाराम फुंडे के निर्देश पर उन्होंने सभी बोर्ड के प्रबंधक तथा प्रधानाचार्य को निर्देश दिया है कि वे सभी कक्षा 1 से लेकर कक्षा 8 तक स्कूल को बंद रखे।वही सभी विकासखंड के खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है वे सभी अपने–अपने क्षेत्र में स्कूलों पर विशेष ध्यान दें अगर ठंड के दौरान कोई भी बोर्ड से संबंधित स्कूल संचालित होता हुआ पाया गया तो उसके विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करें।

कोहरे के कारण कई वाहनों की भीषण टक्कर,चार ट्रक,जनरथ बस व कार भिड़े,दो की मौत,16 घायल

अमेठी–जिले में मंगलवार सुबह लखनऊदृवाराणसी हाईवे पर कोहरे के बीच भीषण सड़क हादसा हो गया।मुसाफिरखाना क्षेत्र के मंगलम स्कूल के पास एक के बाद एक चार ट्रक, जनरथ बस और एक कार आपस में टकरा गए। हादसे में दो ट्रक चालकों की मौत हो गई, जबकि जनरथ बस में सवार 16 यात्री घायल हो गए। घायलों में दो की हालत चिंताजनक बताई जा रही है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर राहत–बचाव कार्य शुरू कराया। क्षेत्राधिकारी अतुल सिंह ने बताया कि घने कोहरे के कारण एक ट्रक डिवाइडर पर चढ़ गया, पीछे से आ रहे ट्रकों की टक्कर से हादसा बढ़ता चला गया। इसी दौरान जनरथ बस और कार भी क्षतिग्रस्त ट्रकों से टकरा गईं।कार सवार दंपती बाल–बाल बच गए।सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल सुल्तानपुर भेजा गया है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर हाईवे पर यातायात बहाल कराया।

बस स्टेशन रैन बसेरे में एक मुसाफिर की मौत

सुल्तानपुर । बस स्टेशन पर स्थित रेन बसेरे में एक अंबेडकर नगर ग्राम निवासी महरुआ के यात्री की मौत। जिला प्रशासन में मचा हड़कंप। बीती रात जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने अपने प्रशासनिक हमले के साथ किया था रैन बसेरे का निरीक्षण। मौत की सूचना मिलते ही कोतवाली नगर पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर चिकित्सा महाविद्यालय भिजवाया।

साहित्यकार विक्रम, रामा व मनीष को सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। राजाजीपुरम में रविवार को भिक्षुक साहित्यिक सांस्कृतिक एवं समाज सेवा संस्था की ओर से काव्य गोष्ठी एवं सम्मान समारोह हुआ। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. विक्रम राय, डॉ. रामा आर्य, मनीष, शालिनी सिंह और देवेश को भिक्षुक साहित्य मंजरी सम्मान दिया गया। संस्थान महासचिव अरुणा सक्सेना ने बताया कि साहित्यकार, कवि, गणेश प्रसाद सक्सेना 'भिक्षुक' की स्मृति में यह कार्यक्रम हुआ। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार नरेंद्र भूषण ने की। मुख्य अतिथि विक्रम राय और विशिष्ट अतिथि पूजा श्रीवास्तव रहीं।

तरुण विश्वकर्मा के प्रथम जन्मोत्सव पर 'एकार्थी टाइम्स' समाचार पत्र का भव्य शुभारंभ

देश की उपासना
धनन्जय विश्वकर्मा

जौनपुर (उत्तर प्रदेश)। जनपद के गयासपुर ग्राम में बीते 21 दिसंबर को एक दोहरे उत्सव का आयोजन किया गया। अवसर था श्राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र एकार्थी टाइम्सश के भव्य उद्घाटन और संपादक दिनेश विश्वकर्मा के भतीजे तरुण बृजेश विश्वकर्मा के प्रथम जन्मोत्सव का। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, पत्रकारों और समाजसेवियों ने शिरकत कर अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रमुख अतिथियों द्वारा समाचार पत्र का विमोचन कार्यक्रम के दौरान श्एकार्थी टाइम्सश की लॉन्चिंग की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से पत्रकार प्रेस क्लब जौनपुर के अध्यक्ष कृपाशंकर यादव, वरिष्ठ पत्रकार मुरारी सिंह (टीवी सैटेलाइट), विवेक सिंह (24 इंडिया न्यूज), समाजसेवी राजेश विश्वकर्मा, अधिवक्ता जयशंकर विश्वकर्मा और नरेंद्र कुमार विश्वकर्मा सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने समाचार पत्र के प्रथम अंक का विमोचन किया। पत्रकारिता के मूल्यों पर चर्चा विमोचन कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित वक्ताओं ने पत्रकारिता की प्रासंगिकता पर अपने विचार साझा किएरू कृपाशंकर यादव (अध्यक्ष, पत्रकार प्रेस क्लब)रू उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ किया जाना चाहिए। यह समाज में न्याय दिलाने का एक सशक्त माध्यम है, जिससे राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। दिनेश विश्वकर्मा (संपादक, एकार्थी टाइम्स): उन्होंने अपनी टीम का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि निष्पक्ष शब्द ही पत्रकार की असली ताकत हैं। उन्होंने अपनी टीम को हर परिस्थिति में सहयोग देने का संकल्प दोहराया। सदस्यों को परिचय पत्र का वितरण कार्यक्रम में समाचार पत्र की टीम को आधिकारिक पहचान पत्र (प्व बंतके) भी वितरित किए गए। परिचय पत्र प्राप्त करने वाले मुख्य सदस्यों में नवीन कुमार सिंह, बृजेश विश्वकर्मा, दीपक लेखराज चौरसिया, शैलेश पटेल, धर्मदेव यादव, शिव शंकर विश्वकर्मा, योगेंद्र प्रसाद और रामकुमार विश्वकर्मा आदि शामिल रहे। उपस्थित गणमान्य जन समारोह में हरिश्याम (शुभम मोबाइल), राम अधार यादव, मृत्युंजय यादव (प्रधान प्रतिनिधि), देवेंद्र राव (पूर्व प्रधान प्रतिनिधि), धर्मेंद्र प्रजापति, लालचंद विश्वकर्मा और सुनील विश्वकर्मा सहित भारी संख्या में ग्रामीण व प्रबुद्ध वर्ग के लोग उपस्थित रहे।

पुलिस चौकी के पास दुकान से एक करोड़ के जेवर चोरी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। चोरों ने महिलाबाद थाने से 400 मीटर दूर स्थित फजल ज्वैलर्स की दुकान का शटर काटकर एक करोड़ के जेवर पार कर दिए। खास बात यह है कि मलिहाबाद कस्बा के मिर्जागंज स्थित ज्वैलरी की दुकान से 100 मीटर दूर पुलिस चौकी भी है। बदमाश अपने साथ डीवीआर भी उखाड़कर ले गए। हालांकि, चोर पास में लगे दूसरे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। चोरों के गिरोह में एक महिला भी शामिल है, जो कैमरे में नजर आई है। मिर्जागंज निवासी युसूफ अली बेग की रबाब मार्केट में आभूषण की दुकान है। पीड़ित के मुताबिक शनिवार देर रात करीब एक बजे चोरों ने शटर तोड़कर दुकान में रखी 30 किलो चांदी और डेढ़ सौ ग्राम सोने के जेवरात चोरी कर लिए। रविवार सुबह दुकान पहुंचे तो शटर टूटा हुआ था। यूसुफ ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने जांच करते हुए डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य संकलन किया। इस घटना से नाराज व्यापारियों ने वारदात के खुलासे के लिए इंस्पेक्टर को ज्ञापन सौंपा। कस्बे में कई दुकानों में कैमरे लगे हैं। चोरों को पता था कि वे कैमरे में कैद हो जाएंगे। खुद की पहचान छिपाने के लिए सभी ने चेहरा ढंक रखा था। चोरों ने छह दुकानों में लगे सीसीटीवी के तार भी काट दिए थे। इस घटना ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। व्यापारियों का का कहना है कि पुलिस इलाके में गश्त कर रही होती तो यह घटना नहीं होती। बेहतर सुरक्षा के लिए इसी दिसंबर में एडीसीपी उत्तरी गोपी नाथ ने घटनास्थल से 100 मीटर की दूरी पर मलिहाबाद चौराहे पर पुलिस चौकी के भवन का उद्घाटन किया था। इससे व्यापारियों में खुशी थी और उन्होंने पुलिस का आभार जताया था। बावजूद इसके जेवर की दुकान में चोरी हो गई। फुटेज में चोर बेखौफ टहलते नजर आ रहे हैं। चोरों के हाथ में लोहे के रॉड भी देखे गए। एडीसीपी का कहना है कि वारदात के खुलासे के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। चोरों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

प्राइमरी स्कूल के पीछे पेड़ से लटका मिला 11वीं की छात्रा का शव, गांव में मचा कोहराम

लखनऊ, (संवाददाता)। बीकेटी थाना क्षेत्र के ग्राम रमगढ़ा मजरा कठवारा में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के पास स्थित प्राइमरी स्कूल के पीछे एक पेड़ से 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली किशोरी का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रमगढ़ा निवासी रघुनन्दन गोस्वामी ने थाना बीकेटी में लिखित सूचना देते हुए बताया कि 20 दिसंबर 2025 को शाम करीब 4 बजे उनकी 17 वर्षीय पुत्री अक्षिता गोस्वामी उर्फ गुड़िया शौच के लिए गांव के पास स्थित प्राइमरी स्कूल के पीछे गई थी। काफी समय बीत जाने के बाद जब वह घर नहीं लौटी तो परिजन चिंतित हो गए। इसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई।इसी दौरान मृतका की मां जब स्कूल के पीछे पहुंचीं तो उन्होंने देखा कि अक्षिता उर्फ गुड़िया ने चिलवल के पेड़ की डाल से फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली है। यह दृश्य देखते ही परिजन स्तब्ध रह गए और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।सूचना मिलते ही थाना बीकेटी की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचायतनामा भरते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भेज दिया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि अक्षिता उर्फ गुड़िया कक्षा 11 में अध्ययनरत थी।फिलहाल पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारणों को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी। मामले में अन्य आवश्यक कार्यवाहियां जारी हैं।

ग्राम पारूखेड़ा में रात के सन्नाटे में मजदूर की बेरहमी से हत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना पारा क्षेत्र के ग्राम पारूखेड़ा में बीती रात एक दिल दहला देने वाली हत्या की वारदात सामने आई, जिससे पूरे गांव में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना रात करीब 2रू15 बजे पीआरवी के माध्यम से पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि ग्राम पारूखेड़ा निवासी शिव प्रकाश पुत्र शिवदीन, उम्र करीब 30 वर्ष, का शव पड़ा हुआ था। मृतक के सिर पर किसी भारी वस्तु से किए गए गंभीर वार के निशान पाए गए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए शव को कब्जे में लिया और परिजनों की मौजूदगी में पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भेज दिया।प्रथम दृष्टया परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार शिव प्रकाश ईंट भट्ठे पर मजदूरी कर अपने परिवार का भरण–पोषण करता था। मृतक के दो छोटे बच्चे हैं। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। वहीं, गांव में घटना को लेकर भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। मामले में मृतक के पिता शिवदीन द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना पारा में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस प्रकरण में आरोपी सतीश कुमार को हिरासत में ले लिया है ।

गोमतीनगर में फर्जी डिग्री मार्कशीट के अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार, 923 कूट रचित दस्तावेज बरामद

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के पूर्वी जोन में क्राइम और सर्विलांस टीम तथा थाना गोमतीनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में फर्जी डिग्री और मार्कशीट बनाने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस गिरोह के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार करते हुए विभिन्न विश्वविद्यालयों की सैकड़ों फर्जी मार्कशीट, डिग्री, कूटरचित मुहरें, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दो लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। इस कार्रवाई के बाद शैक्षणिक दस्तावेजों के नाम पर चल रहे संगठित फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हुआ है।दिनांक 20 दिसंबर 2025 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर क्राइम टीम पूर्वी जोन और थाना गोमतीनगर की संयुक्त पुलिस टीम ने सुनियोजित छापेमारी करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान अभियुक्तों के कब्जे से देश के लगभग 25 विश्वविद्यालयों की 923 फर्जी मार्कशीट और प्रमाण पत्र बरामद किए गए। इसके अलावा 15 कूटरचित मुहरें, एक नीला इंक पैड, 65 अदद विशेष पेपर, दो लाख रुपये नकद, एक टाटा हैरियर कार, छह लैपटॉप, दो हार्ड डिस्क, एक लैपटॉप चार्जर, पांच मोबाइल फोन, एक प्रिंटर, एक सीपीयू, दो रजिस्टर, एक फाइल मय पत्रावली तथा पांच चेकबुक और पासबुक भी पुलिस के हाथ लगीं।पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे भोले–भाले छात्र–छात्राओं को बिना पढ़ाई और परीक्षा के डिग्री दिलाने का लालच देकर उनसे मोटी रकम वसूलते थे। अभियुक्त बीटेक, बीसीए, एमसीए, एमएससी, बीए सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों की फर्जी डिग्री और मार्कशीट तैयार कर देते थे, जिनका उपयोग कर कई लोग निजी कंपनियों में नौकरी हासिल कर लेते थे। इस फर्जीवाड़े के एवज में कोर्स के अनुसार 25 हजार रुपये से लेकर चार लाख रुपये तक की रकम ली जाती थी।जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह द्वारा स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ, नार्थ ईस्ट क्रिश्चियन विश्वविद्यालय दीमापुर नागालैंड, महराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय उत्तराखंड, कलिंगा विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, जेआरएन राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय उदयपुर, साबरमती विश्वविद्यालय गुजरात सहित देश के अन्य कई विश्वविद्यालयों में है।

धर्मांतरण के प्रयास मामले में केजीएमयू ने शुरू की छानबीन

लखनऊ, (संवाददाता)। रेजिडेंट डॉक्टर के धर्मांतरण के प्रयास के सनसनीखेज मामले में केजीएमयू ने अपने स्तर से छानबीन शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक उसे इस मामले में लिखित शिकायत नहीं मिली है। केजीएमयू प्रशासन ने जांच के लिए आरोपी छात्र और पीड़ित छात्रा का ब्योरा निकाला है। इनसे प्रारंभिक स्तर पर पूछताछ भी की है। शनिवार को दीक्षांत समारोह में फंसे होने के बावजूद केजीएमयू प्रशासन ने इसमें तेजी

दिखाई और इसी दिन रेजिडेंट डॉक्टरों का पूरा ब्योरा तलब कर लिया। सोमवार को संस्थान खुलने पर इस मामले में समिति भी बनाई जा सकती है। रेजिडेंट डॉक्टर के धर्मांतरण के प्रयास और पूर्व में एक अन्य डॉक्टर का धर्मांतरण होने के मामले में खुफिया एजेंसियां भी हरकत में आ गई हैं। इनका पहला लक्ष्य धर्मांतरण के पुराने मामले की सच्चाई जांचनी है।

मोहान रोड पर दर्दनाक सड़क हादसा, स्कूटी सवार 50 वर्षीय व्यक्ति की ट्रक से कुचलकर मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना पारा क्षेत्र के तेज किशन खेड़ा, मोहान रोड पर रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में एक 50 वर्षीय व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका बेटा मामूली रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना आज 21 दिसंबर 2025 को पुलिस को मिली, जिसके बाद थाना स्थानीय की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची।पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर की गई प्रारंभिक जांच में देखा गया कि सड़क पर एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा हुआ था, जबकि पास में एक स्कूटी खड़ी थी और एक अन्य व्यक्ति मौजूद था, जो बोलने में असमर्थ था। कुछ समय बाद सुनील शर्मा पुत्र रामकृत शर्मा, जो आगे निकल गए थे, द्वारा जानकारी दी गई कि मृत व्यक्ति का नाम दुखी शर्मा पुत्र भगवती शर्मा, निवासी भुइयां देवी माता मंदिर के पास, थाना पारा, लखनऊ है, जिनकी उम्र करीब 50 वर्ष है। वहीं स्कूटी चला रहा व्यक्ति मुकेश शर्मा पुत्र दुखी शर्मा है, जो मृतक का पुत्र है और जन्म से गूंगा है। हादसे में मुकेश शर्मा को मामूली चोटें आई हैं।परिजनों व साथियों द्वारा पुलिस को बताया गया कि वे सभी लोग स्कूटी से हसनगंज, जनपद उन्नाव में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान तेज किशन खेड़ा के पास स्कूटी अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में स्कूटी चालक मुकेश शर्मा बाईं ओर गिर गया, जबकि पीछे बैठे दुखी शर्मा दाईं ओर सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक संख्या UP82AT4860 की चपेट में आने से दुखी शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर परिजनों की मौजूदगी में पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भेज दिया। पुलिस का कहना है कि परिजनों से तहरीर प्राप्त कर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया जाएगा।

रामपुर से 'वोट बचाओ, संविधान बचाओ' की हुंकार, संजय सिंह के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की 6 दिवसीय पदयात्रा का आगाज

लखनऊ, (संवाददाता)। भाजपा द्वारा लोकतंत्र और संविधान पर किए जा रहे सुनियोजित हमलों के खिलाफ रामपुर की धरती से एक निर्णायक संघर्ष की शुरुआत हुई। आम आदमी पार्टी की 'वोट बचाओ, संविधान बचाओ' पदयात्रा का शुभारंभ रविवार को आसरा कॉलोनी, पहाड़ी गेट, रामपुर से हुआ। प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गांधी समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर वोट और संविधान की रक्षा की इस लड़ाई का संकल्प लिया। उनके नेतृत्व में शुरू हुई यह छह दिवसीय पदयात्रा जनता को संगठित कर वोट चोरी और संविधान को कमजोर करने की साजिशों के खिलाफ जनआंदोलन का रूप ले रही है।

पदयात्रा की शुरुआत के मौके पर संजय सिंह ने कहा कि बापू ने अपने पूरे जीवन में अहिंसा, भाईचारे और लोकतंत्र की रक्षा का संदेश दिया। आज उसी विचारधारा को बचाने का संकल्प रामपुर की धरती से लिया गया है। उन्होंने कहा कि नफरत की राजनीति से न देश बन सकता है और न समाज। यह पदयात्रा सिर्फ पैदल मार्च नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने की हुंकार है, जो सड़क से संसद तक गूंजेगी।आसरा कॉलोनी, पहाड़ी गेट पर आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए संजय सिंह ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में एसआईआर के नाम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार मिलकर साढ़े तीन करोड़ मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से काटने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गरीब, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज के वोट छीने जा रहे हैं। इसी साजिश के खिलाफ यह पदयात्रा शुरू की गई है, क्योंकि अब यह लड़ाई केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि वोट, संविधान, लोकतंत्र और स्वाभिमान को बचाने की है।संजय सिंह ने कहा कि वोट की ताकत ही वह शक्ति है, जिसके सामने प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक को झुकना पड़ता है। जिस दिन वोट का अधिकार खत्म हो जाएगा, उस दिन सत्ता लाठी के दम पर जनता को कुचल देगी। उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान का जिक्र करते हुए कहा कि संविधान ने राष्ट्रपति और गांव के मजदूर के वोट की कीमत एक समान तय की है, लेकिन आज उसी अधिकार पर डाका डाला जा रहा है।उन्होंने मुरादाबाद में बीएलओ सर्वेश सिंह की मौत का उल्लेख करते हुए कहा कि अत्यधिक दबाव में आकर उन्होंने रोते हुए वीडियो बनाया और जान दे दी। देशभर में 40 से अधिक बीएलओ आत्महत्या कर चुके हैं, लेकिन भाजपा सरकार को केवल वोट चोरी के अपने लक्ष्य की चिंता है। संजय सिंह ने रामपुर की 80 वर्षीय बीमार बुजुर्ग महिला नूरजहां का उदाहरण देते हुए कहा कि नियमों के अनुसार एसआईआर फॉर्म भरने के बावजूद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई, जो सत्ता की संवेदनहीनता और क्रूरता को उजागर करती है।भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए संजय सिंह ने कहा कि संसद में प्रदूषण से हर साल होने वाली 20 लाख मौतों, बेरोजगारी, किसानों को खाद न मिलने, रुपये की गिरावट और बीएलओ की मौत जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा से सरकार भागती है। सरकार केवल वंदे मातरम् और नफरत की राजनीति पर बात करना चाहती है। उन्होंने मनरेगा में भ्रष्टाचार, महात्मा गांधी के नाम को योजनाओं से हटाने, स्कूल बंद करने और डिटेंशन सेंटर की योजनाओं पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जिस दिन आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी, सबसे पहले स्कूलों और अस्पतालों को मजबूत किया जाएगा।

संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि यह छह दिवसीय पदयात्रा रोजगार, किसान, मजदूर और वोट चोरी जैसे हर मुद्दे पर सरकार को बेनकाब करेगी और यह संघर्ष लगातार जारी रहेगा। यह पदयात्रा 21 दिसंबर से 26 दिसंबर तक चलेगी, जो रामपुर से शुरू होकर मुरादाबाद और अमरोहा तक जाएगी। पदयात्रा के दौरान जगह–जगह जनसभाएं और जनसंवाद आयोजित कर आम जनता को वोट और संविधान बचाने की लड़ाई से जोड़ा जाएगा।पदयात्रा के पहले दिन का समापन रात्रि विश्राम के साथ हुआ। यात्रा अपने पहले पड़ाव पर जे. आर. पैलेस, अंबेडकर पार्क के पास, सीआरपीएफ के सामने, मुरादाबाद रोड, रामपुर पहुंची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने संजय सिंह का जोरदार स्वागत किया और पदयात्रा में शामिल होकर लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के इस आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

बिना किसी भेदभाव के शासन की योजनाओं का शत–प्रतिशत क्रियान्वयन ही अटल जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी : पूर्व डीएम डॉ दिनेश कुमार सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर जौनपुर में पांचवें सुशासन सप्ताह–2025 का आयोजन मंगलवार को किया गया। यह कार्यक्रम श्प्रशासन गांव की ओर–2025श पहल के तहत कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जौनपुर के पूर्व जिलाधिकारी, वर्तमान जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र और अपर जिलाधिकारी (भू–राजस्व) अजय अंबष्ट, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) रामअक्षयवर चौहान ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पूर्व जिलाधिकारी दिनेश कुमार सिंह ने अटल जी को नमन करते हुए कहा कि सुशासन सप्ताह–2025 में शामिल होकर वे स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी पद पर रहते हुए यदि अधिकारी स्वयं को एक सामान्य नागरिक समझकर समस्याओं का समाधान करे, वही सच्चा सुशासन है। उन्होंने विभिन्न पदों पर अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी जनता की सेवा के लिए नियुक्त किए गए हैं। बिना किसी भेदभाव के शासन की योजनाओं का शत–प्रतिशत क्रियान्वयन ही अटल जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने जनपद जौनपुर में महाकुंभ के दौरान जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र और उनकी टीम द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना भी की। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने देश के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य किया। शासन द्वारा उनके जन्मदिवस पर सुशासन दिवस मनाया जा रहा है, जिसके तहत जनपद, तहसील और विकासखंड स्तर पर जनसेवा एवं जनशिकायत निस्तारण की व्यापक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी विभाग ग्राम पंचायत स्तर पर चौपालों का आयोजन कर आम जनमानस की समस्याओं को सुन रहे हैं और उनका प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इनमें उपजिलाधिकारी बदलापुर योगिता सिंह और उपजिलाधिकारी केराकत शैलेंद्र सिंह सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे, जिन्हें पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

24 व 25 दिसंबर को डाभासेमर में होगी सांसद खेल प्रतियोगिता,महानगर व जिलाध्यक्ष ने तैयारियों का लिया जायजा।

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। सांसद खेल प्रतियोगिता का आयोजन 24 व 25 दिसंबर को डा. भीमराव अंबेडकर क्रीड़ा संकुल, डाभासेमर में किया जाएगा। प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में जिले के जनप्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे, जबकि समापन सत्र में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डा. राधामोहन दास अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। आयोजन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव एवं जिलाध्यक्ष संजीव सिंह महामंत्री शैलेन्द्र कोरी सहित अन्य पार्टी पदाधिकारियों ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि सांसद खेल प्रतियोगिता युवाओं में खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण विकसित करने का सशक्त माध्यम है। इस प्रतियोगिता के जरिए ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। वहीं जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य खेलों के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ाना और प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर के लिए खिलाड़ियों को तैयार करना है। सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी की जा रही हैं ताकि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह ने बताया कि यह प्रतियोगिता सब–जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग में आयोजित की जाएगी, जिसमें विधायक खेल प्रतियोगिता के विजेता व उपविजेता खिलाड़ी एवं टीमें प्रतिभाग करेंगी। सांसद खेल प्रतियोगिता के विजेता व उपविजेता खिलाड़ी एवं टीमें प्रदेश स्तर पर होने वाले मुकाबलों में प्रतिभाग करेंगी।उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के अंतर्गत कबड्डी, कुश्ती, वॉलीबॉल एवं एथलेटिक्स के मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। आयोजन को लेकर खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

अटल जन्म शताब्दी वर्ष, व वीर बालक दिवस पर सभी बूथों पर होंगा कार्यक्रम

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेई की जन्म शताब्दी वर्ष एवं वीर बालक दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी महानगर इकाई द्वारा नगर के सभी बूथों पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह आयोजन वर्षभर जनसहभागिता के साथ मनाया जाएगा।भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि अटल बिहारी बाजपेई का जीवन राष्ट्रभक्ति, सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। उनके विचार आज भी देश को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। जन्म शताब्दी वर्ष को बूथ स्तर तक मनाने का उद्देश्य नई पीढ़ी को अटल जी के आदर्शों से जोड़ना है।उन्होंने बताया कि जयंती की पूर्व संध्या 24 दिसंबर को महानगर क्षेत्र में स्थापित राष्ट्रनायकों एवं महापुरुषों की प्रतिमाओं तथा उनके परिसरों में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। वहीं वीर बालक दिवस की पूर्व संध्या पर प्रभात फेरी एवं शबद कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही जिला पंचायत परिसर में स्थापित अटल बिहारी बाजपेई की प्रतिमा पर सायंकाल दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम आयोजित होगा।भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह ने बताया कि अटल जी की जन्म शताब्दी वर्ष एवं वीर बालक दिवस को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है। बूथ स्तर पर गोष्ठी, विचार संगोष्ठी, स्वच्छता अभियान एवं दीप प्रज्ज्वलन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे अटल बिहारी बाजपेई के विचारों तथा गुरु गोविंद सिंह जी के चारों साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान और वीरता की गाथा जन–जन तक पहुंच सके।

सपा विधायक डॉ रागिनी सोनकर ने विधान सभा में सरकारी स्कूलों पर उठाए सवाल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर से मछली शहर विधायक डॉ रागिनी सोनकर ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में मंगलवार को बेसिक शिक्षा विभाग की नीतियों और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने सरकारी स्कूलों की बदहाली, शिक्षक भर्ती में देरी और शिक्षकों के उत्पीड़न का मुद्दा उठाया। डॉ. सोनकर ने सरकार द्वारा मर्जर के नाम पर बड़ी संख्या में प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने पर आपत्ति जताई। उन्होंने सरकार से पूछा कि पिछले नौ वर्षों में प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के लिए कौन–सी ठोस योजनाएं बनाई गईं और उनके परिणाम क्या रहे। उन्होंने बेसिक शिक्षा मंत्री के उत्तर को श्निराशाजनकश बताया, क्योंकि मंत्री ने स्वयं बच्चों की संख्या न बढ़ने की बात स्वीकार की, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार ने सरकारी स्कूलों को सशक्त बनाने के लिए प्रभावी पहल नहीं की। विधायक ने कहा कि किसी भी विद्यालय में बच्चों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्याप्त शिक्षक, बच्चों का शारीरिक–मानसिक विकास और सम्मानजनक शैक्षणिक वातावरण आवश्यक है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 9,508 विद्यालय केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं, जबकि कई विद्यालयों में सिर्फ शिक्षा मित्र कार्यरत हैं। डॉ. सोनकर ने आरोप लगाया कि दो लाख से अधिक शिक्षकों की कमी के बावजूद भर्ती प्रक्रिया में लगातार देरी की जा रही है। उन्होंने सरकार से पूछा कि शिक्षक भर्ती जल्द कब तक लाई जाएगी। इसके साथ ही, योग्य शिक्षा मित्रों के समायोजन और उनके मानदेय वृद्धि पर सरकार कब विचार करेगी, इस पर भी उन्होंने स्पष्ट जवाब मांगा। डॉ. रागिनी सोनकर ने शिक्षकों के साथ हो रहे व्यवहार पर भी कड़ा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने शिक्षकों से गैर–शैक्षणिक कार्य कराए जाने, जैसे सर्वे, गणना, व्यक्तिगत आयोजनों में ड्यूटी और अपमानजनक कार्यों में लगाए जाने को श्गुरु के सम्मान का हननश बताया। उन्होंने वर्षों से लंबित अंतर–जनपदीय स्थानांतरण, बिना TET नियुक्त लगभग 1.86 लाख शिक्षकों पर TET लागू किए जाने की समस्या, और शिक्षकों पर हो रहे मानसिक उत्पीड़न पर सरकार से स्पष्ट नीति और राहत की मांग की।

जौनपुर में शीतलहर का प्रकोप पांचवें दिन भी जारी नहीं हो रहे सूर्य देव के दर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । यूपी के जौनपुर में शीतलहर का प्रकोप पांचवे दिन मंगलवार को भी जारी है। लगातार गिरते पारे और सर्द हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। सोमवार को भी भगवान भास्कर के दर्शन नहीं हुए, अगर मंगलवार की बात करे तो आज भी सूर्य के दर्शन होने की सम्भवना नही है। जिससे लोग घरों में रहने को मजबूर हुए। घने कोहरे के बीच लोगों का जनजीवन अस्त व्यवस्त हो गया। सड़कों पर लोग गाड़ियों की लाइट जलाकर चल रहे है।विजिबिलिटी 50 मीटर दर्ज की गई है। कड़ाके की ठंड से बचाव के लिए लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ा। बाजारों में कारोबार मंदा रहा और सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। लोग दुकानों के आगे अलाव जलाकर हाथ सेंकते देखे गए। सोमवार को अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया ।आद्रता 78 प्रतिशत दर्ज की गई।वायु गुणवत्ता सूचकांक (।फए) 161 अंक पर पहुंच गया था। हवा 3 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है। वही मंगलवार को अधिकतम तापमान 21 डिग्री न्यूनतम तापमान 11डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। आद्रता 82 प्रतिशत दर्ज की गई।वायु गुणवत्ता सूचकांक (।फए) 194 अंक पर पहुंच गया था। हवा 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है। न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट और घने कोहरे के कारण फसलों में पाला लगने की आशंका बढ़ गई है। राई, सरसों, अरहर, आलू, मिर्च, टमाटर और मटर जैसी फसलें पाले से प्रभावित हो सकती हैं। आलू की फसल को 40 से 80 प्रतिशत तक क्षति होने का अनुमान है। घना कोहरा बने रहने से अरहर की फसल को पर्याप्त धूप नहीं मिल पाती, जिससे उसके फूल झड़ जाते हैं। पाले के कारण फूल और पत्तियां झुलसकर सिकुड़ने लगती हैं, कलियां झड़ने लगती हैं और फलियों तथा फलों में बीज के दाने सिकुड़ जाते हैं या बनते ही नहीं हैं, जिससे अंततः फलियां और फल झड़ जाते हैं। कृषि विशेषज्ञ डॉ सुरेश कन्नौजिया ने किसानों को पाले से बचाव के उपाय सुझाए हैं। आलू की फसल में मैकोजेब और कारबेंडाजिम का दो ग्राम प्रति लीटर की दर से छिड़काव करने की सलाह दी गई है। इसके अतिरिक्त, घुलनशील सल्फर की एक किलोग्राम मात्रा को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करने को कहा गया है। राज्य मौसम केंद्र के प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मौसम की अनुकूल परिस्थितियों के कारण कोहरे के घनत्व और क्षेत्रफल में लगातार वृद्धि हुई है। जौनपुर में अत्यधिक ठंड और शीतलहर के मद्देनजर, जिलाधिकारी की अनुमति से बीएसए डॉ गोरख नाथ पटेल ने कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यालयों को 23 और 24 दिसंबर को विद्यार्थियों के लिए बंद रखने का आदेश जारी किया गया है।जबकि शिक्षक विद्यालय आकर एसआईआर और अन्य शैक्षिणक कार्य करते रहेंगे।

कड़ाके की ठंड देखते हुए 24 व 26 को स्कूल रहेंगे बंद

डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।डीएम निखिल टीकाराम फुंडे के निर्देश पर कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चन्द्र ने बेसिक शिक्षा,माध्यमिक शिक्षा सीबीएसईध आईसीएसई आदि विभिन्न बोर्ड में संचालित कक्षा 1 से 8 तक के समस्त विद्यालयों में अध्यनरत छात्र छात्राओं हेतु दिनांक 24 दिसंबर एवं 26 दिसंबर को अवकाश घोषित किया है।जबकि 25 दिसंबर को विभागीय निर्देशानुसार पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की जयंती समारोह पूर्वक मनाई जाएगी। उक्त विद्यालयों में कार्यरत शैक्षिक एवं गैर शैक्षिक कर्मी विद्यालय में उपस्थित होकर विभाग द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं वह कार्यक्रमों तथा जीरो पॉवर्टी सर्वे, अपार आईडी यूडायस, एसआईआर निपुण आकलन रणनीति, अभिभावक जागरूकता सहित अन्य आवश्यक विभागीय दिशा निर्देशानुसार कार्यों को पूर्ण करने में सहयोग प्रदान करेंगे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अयोध्या द्वारा उपरोक्त के क्रम में समस्त को निर्देशित किया कि उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

जौनपुर में ठंड और शीतलहर के कारण इंटरमीडिएट तक के स्कूल बंद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में बढ़ती ठंड और शीतलहर के मद्देनजर जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद, 23 और 24 दिसंबर को इंटरमीडिएट तक के सभी विद्यालय बंद रहेंगे।यह आदेश सभी मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई और उत्तर प्रदेश बोर्ड से संचालित विद्यालयों पर समान रूप से लागू होगा।इस संबंध में मंगलवार को जानकारी देते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि यह निर्णय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। हालांकि, आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि विद्यालयों के सभी शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक कर्मचारी अपने शासकीय दायित्वों का निर्वहन पहले की तरह करते रहेंगे। प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों को ठंड से बचाने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें। मौसम की स्थिति को देखते हुए, भविष्य में भी आवश्यकतानुसार निर्णय लिए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

मार्डन बेबी एनजीओ द्वारा कृषि विभाग ने किया किसान सम्मान समारोह का आयोजन

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।मंडल के अंबेडकर नगर स्थित लोहिया सभागार में कृषि विभाग द्वारा आयोजित किसान सम्मान समारोह में क्षेत्र के कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, डेयरी एवं गन्ना कृषकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।कार्यक्रम में सभी आगंतुक किसानों का संस्था की ओर से हार्दिक स्वागत किया गया।समारोह में उप दिनेशक कृषि श्री अश्वनी सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए नवीनतम कृषि तकनीकों, आधुनिक संसाधनों तथा केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों को योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को पुरस्कृत धनराशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे किसानों का उत्साह एवं मनोबल बढ़ा।कार्यक्रम के दौरान मॉडर्न एनजीओ द्वारा प्रस्तुत नीलगाय भगाने वाली आधुनिक मशीन की किसानों और अधिकारियों द्वारा काफी सराहना की गई। किसानों की बढ़ती समस्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया कि इस मशीन का सभी ब्लॉकों में डेमो प्रदर्शन कराया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सकें।समारोह का उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना, उन्हें सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना तथा कृषि को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करना रहा।अंत में किसानों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

पाले की चपेट में टमाटर की फसल, किसानों को भारी नुकसान

सुल्तानपुर । बल्दीराय क्षेत्र में स्थित चक्कारीभीट गांव के किसान इन दिनों कड़ाके की ठंड और पाले की मार झेल रहे हैं। टमाटर की फसल पर पाला पड़ने से व्यापक नुकसान हो रहा है, जिससे किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है। स्थानीय किसानों ने बताया कि फसल को बचाने के लिए उन्हें लगातार दवाइयां डालनी पड़ रही हैं, लेकिन फिर भी नुकसान रुकने का नाम नहीं ले रहा। गांव के किसान आदिल खान, सफीक अहमद, मोहम्मद वसीम, बरसाती राम सरन और मोहम्मद अनवर ने इस सीजन में बड़े उत्साह के साथ टमाटर की खेती की थी। इनकी फसलें अब पाले की वजह से सूखने लगी हैं, जिससे फल झड़ रहे हैं और पौधे मुरझा रहे हैं। आदिल खान ने बताया, ष्हमने महीनों की मेहनत लगाई थी, लेकिन रातों में पड़ने वाले पाले ने सब बर्बाद कर दिया। दवाइयां डालकर तो फसल को थोड़ा सहारा दे रहे हैं, लेकिन पूरा नुकसान तो हो चुका है।ष सफीक अहमद ने जोड़ा, ष्इस ठंड में टमाटर जैसी नाजुक फसल को बचाना मुश्किल हो गया है। सरकारी मदद की उम्मीद कर रहे हैं।ष बल्दीराय क्षेत्र में सर्दी की दहशत बढ़ने के साथ ही पाला एक बड़ी समस्या बन गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, टमाटर, आलू और अन्य सब्जियों की फसलें पाले से सबसे ज्यादा प्रभावित होती हैं, क्योंकि रात के तापमान में अचानक गिरावट आने से पौधों की कोशिकाएं जम जाती हैं।

बिना किसी भेदभाव के शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन ही अटल जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी : डॉ दिनेश कुमार सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 23 भारत रत्न स्व0 श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर (प्रशासन गांव की ओर–2025) कार्यक्रम के अंतर्गत पांचवां सुशासन सप्ताह–2025 का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिलाधिकारी दिनेश कुमार सिंह का अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिलाधिकारी, वर्तमान जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र तथा अपर जिलाधिकारी (भू–राजस्व) अजय अम्बष्ठ, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामअक्षयवर चौहान द्वारा भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। पूर्व जिलाधिकारी दिनेश कुमार सिंह ने अटल जी के चरणों में प्रणाम करते हुए कहा कि सुशासन सप्ताह–2025 में सम्मिलित होकर वे स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी पद पर रहते हुए यदि अधिकारी स्वयं को एक सामान्य नागरिक की तरह समझकर समस्याओं का निस्तारण करे, वही सच्चा सुशासन है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए अपने अनुभवों को साझा किया तथा कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी जनता की सेवा के लिए नियुक्त किए गए हैं। बिना किसी भेदभाव के शासन की योजनाओं का शत–प्रतिशत क्रियान्वयन ही अटल जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने जनपद जौनपुर में महाकुंभ के दौरान किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र एवं उनकी टीम की सराहना की। इसके साथ ही मुख्य अतिथि द्वारा जनपद में पीली नदी के जीर्णोद्धार में किये गये सार्थक प्रयास की सराहना करते हुए जिलाधिकारी को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने अपने संबोधन में कहा कि भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने समर्पित भाव से देश के विकास के लिए कार्य किया। शासन द्वारा उनके जन्मदिवस के अवसर पर सुशासन दिवस मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जनपद, तहसील एवं विकासखंड स्तर पर व्यापक रूप से जनसेवा एवं जनशिकायत निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी विभाग ग्राम पंचायत स्तर पर चौपालों का आयोजन कर आम जनमानस की समस्याओं को सुनते हुए उनका प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण कर रहे हैं। विभिन्न विभागों द्वारा आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, समस्त प्रकार की पेंशन, जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र, खतौनी, भूमि विवाद निस्तारण, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य सेवाओं से संबंधित प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि पिछले 01 वर्ष 02 माह में लगभग 80 हजार से अधिक निर्विवाद प्रकरण दर्ज कराकर निस्तारित किए गए हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी के विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वाधिक शिकायतें दर्ज कराते हुए उनका निस्तारण किया गया है। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले उपजिलाधिकारी, नायब तहसीलदार, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सुशासन सप्ताह के अंतर्गत तहसील मडियाहूँ के ग्राम मढी निवासी बसंती पटेल को कृषक दुर्घटना बीमा योजना के तहत 05 लाख रुपये के चेक भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट जिला बेसिक शिक्षाधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक सार्वजनिक कार्यक्रम में महिला के नकाब को कथित तौर पर छूने की घटना का सपा महिला मोर्चा ने किया निंदा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में समाजवादी महिला सभा के कार्यकर्ताओं ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक सार्वजनिक कार्यक्रम में एक महिला के नकाब को कथित तौर पर छूने की घटना की कड़ी निंदा की है। इसको लेकर मंगलवार को जिलाध्यक्ष शर्मिला रमेश यादव के नेतृत्व में महिलाओं ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित धरना स्थल पर प्रदर्शन किया। सभा ने इस कृत्य को महिला सम्मान के खिलाफ बताया है। संगठन ने इस घटना के समर्थन में दिए गए बयानों पर भी आपत्ति जताई है। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद और भारत सरकार के मंत्री गिरिराज सिंह ने इस मामले में बयान दिए थे, जिन्हें समाजवादी महिला सभा ने अत्यधिक आपत्तिजनक और महिलाओं के प्रति दूषित मानसिकता का प्रतीक बताया। इस संबंध में समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष शर्मिला रमेश यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिला का घूंघट या नकाब उसकी अस्मिता और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी महिला के नकाब पर हाथ लगाना न केवल उसकी अस्मिता पर हमला है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति का भी अपमान है।

किसानों की प्रगति से होगी देश की उन्नति : राज्यसभा सांसद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की जयंती मंगलवार को किसान सम्मान दिवस के रूप में धूमधाम से मनाई गई। कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में कृषि विभाग द्वारा किसान मेला, प्रदर्शनी, गोष्ठी का आयोजन सबमिशन आंन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजना अंतर्गत किया गया। इस मौके पर कृषि एवं संबंधित विभागों द्वारा लगाए गए स्लॉट में कृषि उत्पादों को देख लोगों ने जमकर तारीफ किया। वक्ताओं ने कहा कि किसानों की खुशहाली से ही देश तरक्की करेगा। गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मा0 राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार कृत संकल्पित है, किसानों की उन्नति के लिए सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि यंत्रीकरण, फसल बीमा आदि योजनाएं चलाई जा रही है इसका लाभ जनपद के किसान उठा रहे है, उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यंत किसानों के हक, अधिकारी एवं सम्मान के लिए संघर्ष किए उनकी जयंती पर किसानों को सम्मानित करना उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष डा. अजय सिंह एवं अजीत प्रजापति तथा संयुक्त कृषि निदेशक वाराणसी शैलेंद्र कुमार ने भी गोष्ठी को संबोधित किया। अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र ने कहा कि किसान खेती में नई तकनीक का प्रयोग कर अपने उपज एवं आमदनी बढ़ा सकते हैं। इसके पूर्व अतिथियों ने स्टॉल का निरीक्षण किया। उप कृषि निदेशक डा. वीबी द्विवेदी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। इस मौके पर जनपद के उत्कृष्ट कार्य करने वाले 36 किसानों को सम्मानित किया गया। तकनीकी सत्र में जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, जिला उद्यान अधिकारी डा. सीमा सिंह राणा, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ सुरेश कुमार कनौजिया, कृषि वैज्ञानिक डॉ0 प्रगति यादव द्वारा किसानों को रबी फसलों की उन्नतशील तकनीकियों से प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम का संचालन उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने किया। इस मौके पर पूर्व कमिश्नर श्री दिनेश सिंह, अपर जिला अधिकारी राम अक्षयबर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, उप जिलाधिकारी योगिता सिंह, एसडीएम सुनील कुमार, जिला रक्षा अधिकारी विवेक कुमार, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी अमित कुमार, डॉ0 स्वाति पाहुजा, भूमि संरक्षण अधिकारी कमलजीत सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी मत्स्य जमाल अहमद सहित किसान मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।